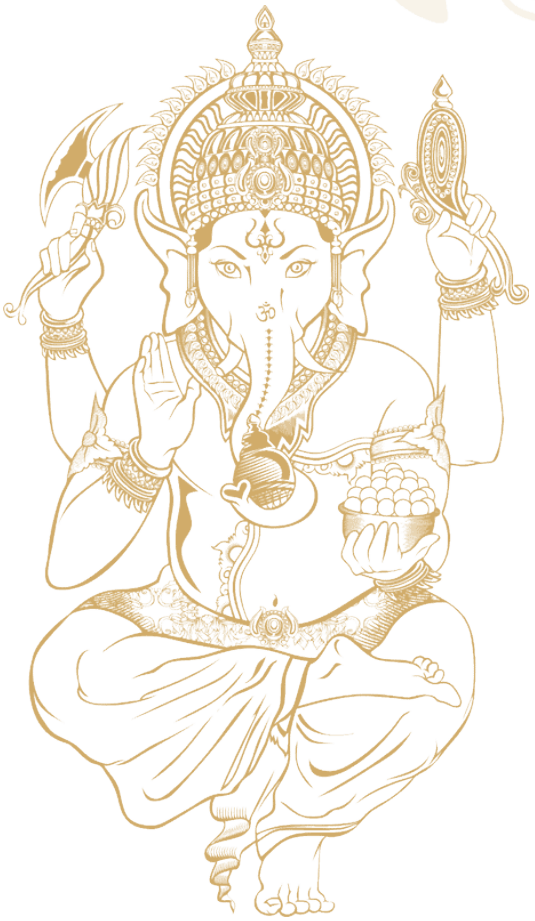

Mr.

18 Jan 1996

06:32 PM

Chandigarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121907403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/01/1996**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**18:32:00 घंटे**
इष्ट	27:57:53 घटी
स्थान	**Chandigarh**
देश	India

अक्षांश	30:43:00 उत्तर
रेखांश	76:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:09:08 घंटे
वेलान्तर	-00:10:11 घंटे
साम्पातिक काल	01:58:03 घंटे
सूर्योदय	07:20:50 घंटे
सूर्यास्त	17:45:33 घंटे
दिनमान	10:24:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	03:54:40 मकर
लग्न के अंश	14:32:16 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	14:32:16	303:10:26	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	---
सूर्य			मक	03:54:40	01:01:07	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	05:30:51	15:07:29	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	मक	14:06:59	00:47:15	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
बुध	व	अ	मक	04:44:40	01:17:44	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
गुरु			धनु	09:35:17	00:13:07	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	10:16:54	01:12:57	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			कुंभ	26:58:53	00:05:25	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		कन्या	27:27:25	00:10:15	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	27:27:25	00:10:15	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	06:33:45	00:03:32	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:32:08	00:02:17	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	08:40:10	00:01:34	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	07:52:11	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:14

लग्न-चलित

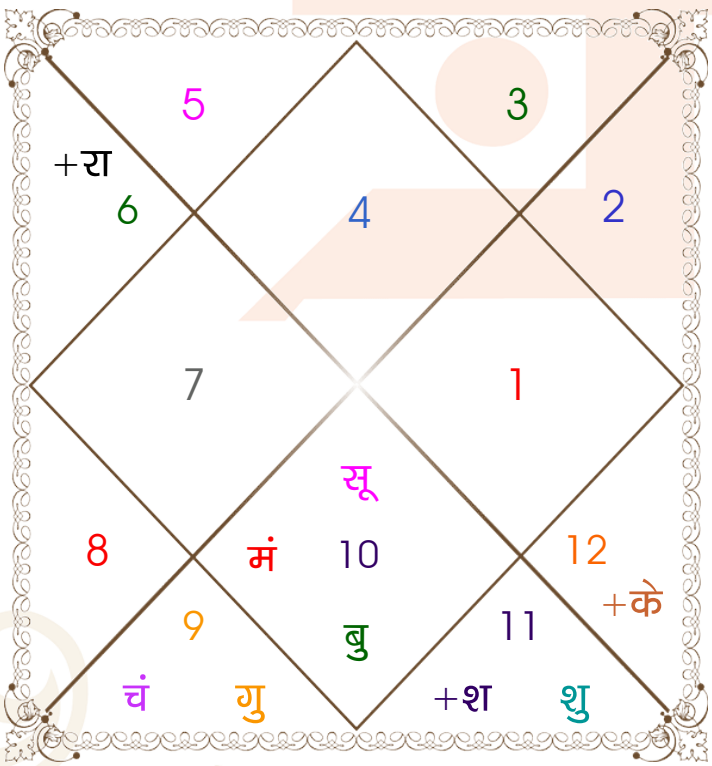

चन्द्र कुंडली

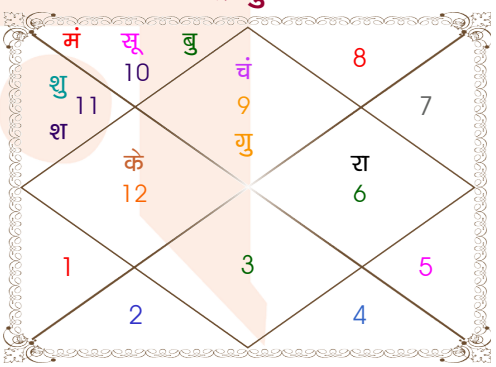

नवमांश कुंडली

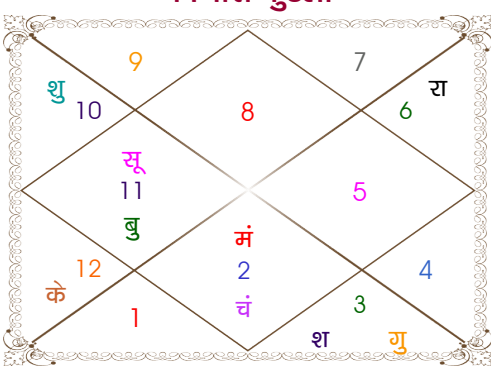

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 1 मास 7 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/01/1996		26/02/2000		26/02/2020		25/02/2026		26/02/2036	
26/02/2000		26/02/2020		25/02/2026		26/02/2036		25/02/2043	
	00/00/0000	शुक्र	27/06/2003	सूर्य	14/06/2020	चंद्र	27/12/2026	मंगल	24/07/2036
	00/00/0000	सूर्य	26/06/2004	चंद्र	14/12/2020	मंगल	28/07/2027	राहु	11/08/2037
	00/00/0000	चंद्र	25/02/2006	मंगल	21/04/2021	राहु	25/01/2029	गुरु	18/07/2038
	18/01/1996	मंगल	27/04/2007	राहु	15/03/2022	गुरु	27/05/2030	शनि	27/08/2039
मंगल	26/01/1996	राहु	27/04/2010	गुरु	02/01/2023	शनि	27/12/2031	बुध	23/08/2040
राहु	13/02/1997	गुरु	26/12/2012	शनि	15/12/2023	बुध	27/05/2033	केतु	19/01/2041
गुरु	20/01/1998	शनि	26/02/2016	बुध	20/10/2024	केतु	26/12/2033	शुक्र	22/03/2042
शनि	28/02/1999	बुध	27/12/2018	केतु	25/02/2025	शुक्र	27/08/2035	सूर्य	27/07/2042
बुध	26/02/2000	केतु	26/02/2020	शुक्र	25/02/2026	सूर्य	26/02/2036	चंद्र	25/02/2043

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
25/02/2043		25/02/2061		25/02/2077		26/02/2096		26/02/2113	
25/02/2061		25/02/2077		26/02/2096		26/02/2113		00/00/0000	
राहु	08/11/2045	गुरु	15/04/2063	शनि	29/02/2080	बुध	24/07/2098	केतु	25/07/2113
गुरु	02/04/2048	शनि	26/10/2065	बुध	08/11/2082	केतु	22/07/2099	शुक्र	24/09/2114
शनि	07/02/2051	बुध	01/02/2068	केतु	18/12/2083	शुक्र	22/05/2102	सूर्य	30/01/2115
बुध	27/08/2053	केतु	07/01/2069	शुक्र	16/02/2087	सूर्य	29/03/2103	चंद्र	31/08/2115
केतु	14/09/2054	शुक्र	08/09/2071	सूर्य	29/01/2088	चंद्र	27/08/2104	मंगल	19/01/2116
शुक्र	14/09/2057	सूर्य	26/06/2072	चंद्र	30/08/2089	मंगल	24/08/2105		00/00/0000
सूर्य	09/08/2058	चंद्र	26/10/2073	मंगल	08/10/2090	राहु	13/03/2108		00/00/0000
चंद्र	07/02/2060	मंगल	02/10/2074	राहु	14/08/2093	गुरु	19/06/2110		00/00/0000
मंगल	25/02/2061	राहु	25/02/2077	गुरु	26/02/2096	शनि	26/02/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 1 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि में ही द्रेष्काण उदित था। आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन उज्जवल एवं फलदायक है। परन्तु आपके स्वास्थ्य से सम्बंधित कतिपय सतर्कतापूर्ण निर्देश प्राप्त होते हैं।

प्रायः कर्क राशीय प्रभाव से आप शारीरिक रूप से बाल्यावस्था में सुकुमार रहेंगे। बल्कि आयु वृद्धि के साथ-साथ आपकी शारीरिक अभिवृद्धि भी होगी तथा शारीरिक स्थिति में सुधार संभव है। तथापि वृश्चिक नवमांश के प्रभाव से आप दुःसाहसिक कदम उठाएंगे। फलस्वरूप आप कतिपय रोगों से आक्रान्त हो सकते हैं। उत्तम तो यह है कि आप पाचन क्रिया के कारण कुष्ठ रोगादि उत्पन्न होने के पूर्व ही सतर्कता अपनाना ठीक है। आपको सतत ही सन्धिवात अर्थात् गाँठ के दर्द (गठिया) वाय, अलसर, गौस्टिक रोग एवं नितम्ब बेदना रोग उत्पन्न होने के प्रति रक्षित रहें। आप उत्तम स्वास्थ्य लाभ हेतु नियमितता बनाए रखें तथा अधिक भोजन करने की आदत नियंत्रण रखें।

अकारण मद्यपान की निवृति की अनुशंसा करे। अर्थात् त्याग करें।

आप बहुत धनोपार्जन करेंगे तथा आपके पास धन कोष पर्याप्त रहेगा। यह सुनिश्चित है, जबकि आप एकाग्रचित होकर स्वतः अपने कार्य उद्देश्य के सफलता की प्राप्ति हेतु दृढ़तापूर्वक प्रयासरत रहें। आपके जीवन का भाग्यशाली समय 36 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा। आप अपनी अति अभिलाषा पर नियंत्रण रखें तथा अपने उद्देश्य को कार्यरूप दें। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि आप विश्वसनीयता पूर्वक कार्य सम्पादन करेंगे। आप मंत्रि पद एवं उच्च कार्यकारी पदाधिकारी पद पर आसीन हो सकते हैं। बशर्ते कि विश्वास पूर्वक अपनी प्रतिष्ठा को सम्मान जनक बना सके। आपके लिए व्यवसाय जल से सम्बंधित कार्य है। यथा तटबन्ध, नहर-सिचाई, कृषि एवं जहाजरानी सम्बंधी कार्य अनुकूल होंगे।

आप जनसामान्य हेतु ज्योतिषीय कार्य अर्थात् भविष्यवक्ता, शिक्षण कार्य आदि आध्यात्मिक व्यवस्था को पसन्द करते हैं। क्योंकि आपने विश्वसनीयता पूर्वक आध्यात्मिक ज्ञान का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपकी उच्चाकांक्षा है कि आप दर्शनीय तीर्थस्थानों का भ्रमण कर, लोक कल्याणकारी कार्य प्रस्तुत करेगें। आपमें यह गुण विद्यमान है कि बहुसंख्यक प्राणी आपकी विश्वसनीयतापूर्ण आध्यात्मिक समर्पण की प्रशंसा करेंगे। आप विश्वसनीयता को प्राथमिकता देकर प्रशंसित व्यवसाय करेंगे तथा सदैव आपका व्यवहार जनसाधारण द्वारा प्रशंसित रहेगा।

आप उच्च कोटि के भावुक प्राणी है। आप अपने परिवार के साथ पूर्णतः सम्बंधित रहेगे। आप अपनी पत्नी के पूर्ण स्नेह प्रदान करने के लिए तत्पर रहकर अपने पारिवारिक सदस्यों की उन्नति और सुधार के लिए त्याग करेंगे। तथापि आप अपनी आश्चर्यजनक उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने के अभ्यास का आचरण करें। इसमें सन्देह नहीं कि आप सदैव शान्त रहते हैं, तथापि शीघ्रतापूर्वक पुनः समत्वबुद्धि (धैर्य) धारण कर लेते है। परन्तु इस

प्रवृति का दृश्यान्त आंशिक हानिप्रद होता है। अतः आप इस बेसुधपना को अनिवार्य रूप से शान्ति पूर्ण बना लें तथा निश्चितता पूर्वक विश्राम ग्रहण करें।

आप अपने स्तर के बहुसंख्यक मित्र अपनी यात्रा क्रम में बनाएंगे। आपकी अभिलाषा है कि आपका मित्रतापूर्ण संबंध शुभकांक्षाओं से युक्त एवं विश्वास जनक हो। आप अपने मित्रों के साथ आमोद-प्रमोद युक्त आनन्द एवं प्रीति मिलन मुक्तहस्त से अपने आवास पर उदारतापूर्ण आनन्द प्राप्त करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक, 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली प्रमाणित होगा एवं अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त है। आपके लिए रंग ब्लू एवं हरा रंग उपयुक्त नहीं अस्तु आपके लिए लाल, पीला, सफेद एवं क्रीम रंग फलदायक प्रतीत होता है।